पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने व्यंग्य संग्रह 'चमचई की जय हो' का विमोचन किया

लखनऊः 31 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के निराला सभागार में सुविख्यात व्यंग्यकार, डा॔0 वागीश सारस्वत की व्यंग्य संग्रह 'चमचई की जय हो' का विमोचन किया। इस अवसर पर विशिष्टि अतिथियों में व्यंग्यकार श्री आलोक पुराणिक, वरिष्ठ पत्रकार एवं कवि श्री अनूप श्रीवास्तव, दैनिक जागरण मुंबई के ओम प्रकाश तिवारी सहित बड़ी संख्या में हिन्दी प्रेमीजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने लोकार्पण के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यंग्य लिखना मुश्किल काम है। यह एक अलग प्रकार की कला है। डा॔0 वागीश सारस्वत के व्यंग्य संग्रह का आज लोकार्पण हुआ इसके लिए उनको बहुत-बहुत अभिनंदन और बधाई। मुद्दा लेकर व्यंग्य लिखना मुश्किल भी है और कमाल भी है। उन्होंने विश्वास जताया कि डा॔0 वागीश आगे भी लिखते रहेंगे एवं सृजनारत रहेंगे।

श्री नाईक ने चमचई की जय हो का नारा देकर अपने सम्बोधन की शुरूआत की, जिससे उपस्थित लोगों में हास्य फूट पड़ा। उन्होंने खुद को आउटडेटेड बताते हुए कहा कि पुस्तक में वह तलाशते रहे कि कहीं उन पर कुछ लिखा गया है कि नहीं। पर उन्होंने अपने पर कुछ लिखा नहीं पाया और खुद को आउटडेटेड मान लिया।

राज्यपाल ने कहा कि साहित्य लेखन से लेखनी में धार आती है और कलम की धार को काटा नहीं जा सकता। उन्होंने किताब की प्रशंसा करते हुए कहा कि संग्रह बड़ी सरलता एवं सहजता के साथ लिखा गया है और उसका रूप भी अच्छा है और किताब खरीदकर पढ़ने में ज्यादा आनंद आता है।

वरिष्ठ पत्रकार एवं अट्टहास पत्रिका के सम्पादक, श्री अनूप श्रीवास्तव द्वारा राजभवन में साहित्यिक आयोजन किये जाने की मांग पर राज्यपाल ने कहा कि राजभवन के दरवाजे उचित समय पर साहित्यिक आयोजन के लिए खुल जायेंगे बशर्ते प्रदेश की जनता उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मनाने का मन बनाये।

वरिष्ठ व्यंग्यकार आलोक पुराणिक ने व्यंग्य को समाज का बदलता हुआ आईना बताया और विशेष तौर पर पुस्तक के एक व्यंग्य 'बा॔स और गधा' का उल्लेख बडे चुटीले अंदाज में किया। उन्होंने व्यंग्य संग्रह के एक अन्य लेख की चर्चा करते हुए कहा कि मूली जैसी सब्जी भी व्यंग्य का विषय हो सकती है। उन्होंने कहा कि मूली की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि उसे यह नहीं पता होता है कि आखिर वह किस खेत की है।

व्यंग्यकार, डा॔0 वागीश सारस्वत ने अपनी पुस्तक का शीर्षक पढ़कर लोगों की वाहवाही लूटी। उन्होंने कहा कि लखनऊ में विमोचन इसलिए किया गया है क्योंकि उत्तर प्रदेश उनकी जन्मभूमि है जो उनके लिए जन्नत जैसी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पर कोई तंज करता है तो बुरा लगता है। इसलिये उत्तर प्रदेश के प्रति नजरिया बदलना होगा।

कार्यक्रम का संचालन श्री पद्मकांत शर्मा ने किया।

चमचई की जय हो
युवा व्यंग्यकार वागीश सारस्वत के 'शिल्पायन' द्वारा सद्यःप्रकाशित व्यंग्य-संग्रह
'चमचई की जय हो'
के विमोचन समारोह में आपका स्वागत है।
मुख्य अतिथि : माननीय श्री राम नाईक (राज्यपाल, उ.प्र.)
अध्यक्षता : श्री ज्ञान चतुर्वेदी (वरिष्ठ व्यंग्यकार)
विशिष्ट अतिथि : श्री आलोक पुराणिक, श्री अनूप श्रीवास्तव एवं श्री ओमप्रकाश तिवारी
संचालन : श्री पद्मकांत शर्मा
शनिवार, 31 जनवरी, 2015
शिल्पायन
ओम प्रकाश तिवारी
वागीश सारस्वत

व्यंग्यकार वागीश सारस्वत के 'शिल्पायन' द्वारा सद्यःप्रकाशित व्यंग्य-संग्रह
'चमचई की जय हो'
के विमोचन समारोह में आपका स्वागत है।
मुख्य अतिथि : माननीय श्री राम नाईक (राज्यपाल, उ.प्र.)
अध्यक्षता : श्री ज्ञान चतुर्वेदी (वरिष्ठ व्यंग्यकार)
श्री आलोक पुराणिक, श्री अनूप श्रीवास्तव एवं श्री ओमप्रकाश तिवारी
संचालन : श्री
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान